पाठ 17

तरह-तरह के पक्षी

आपने आस–पास कई तरह के पक्षी देखे होंगे। कुछ पक्षी बड़े होते हैं, तो कुछ छोटे। कुछ रंग–बिरंगे, तो कुछ एक ही रंग के। उनके घोंसले , भोजन आदि में भी कितने अंतर होते हैं। इस पाठ में हम पक्षियों के बीच के अन्तरों को और थोड़ा ध्यान से देखने की कोशिश करेंगे।

तरह–तरह की चोंच

1. क्या सभी पक्षियों की चोंच होती है? ————————————————————————

2. नीचे कुछ पक्षियों की चोंच बनी है। उनके सामने अलग–अलग खाने की चीज़ों के नाम लिखे हैं। आपके अनुसार कौन सी चोंचवाला पक्षी क्या खाता होगा? मिलान कीजिए।

नाम	भोजन
	फल और बीज
	मछली
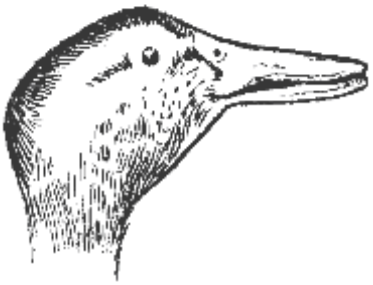	मांस

पक्षी की चोंच से हमें उसके खाने की आदतों के बारे में पता लगता है।

कुछ पक्षियों की चोंच ऐसी होती है। ये फल और बीज चुगकर खाते हैं।

ऐसी चोंच मांस को चीरने–फाड़ने में काम आती है। ये चोंच मांस खानेवाले पक्षियों की है।

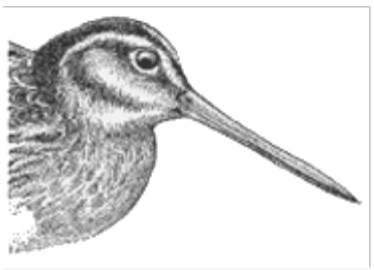

कुछ पक्षी मिट्टी में से कीड़े खोदकर निकालते हैं। उनकी चोंच ऐसी होती है।

कुछ पक्षी फूलों का रस पीते हैं उनकी चोंच ऐसी होती है।

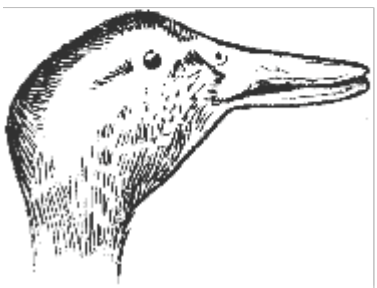

कुछ पक्षी मछली खाते हैं। मछली पकड़ने और मिट्टी निथारने के लिए इनको ऐसी चोंच की ज़रूरत होती है।

और ये है तोते की चोंच। इससे वह कड़े बीज भी फोड़ लेता है।

3. सभी पक्षियों की चोंच एक जैसी क्यों नहीं होती?

_____

तरह–तरह के पंजे

सब पक्षियों के पंजे भी, चोंच की तरह एक जैसे नहीं होते हैं। पंजों की बनावट से पक्षियों के वास स्थान का पता लगाया जा सकता है।

ऐसे पंजे पेड़ की डाली पर बैठने के लिए।

ऐसे पंजे पानी में तैरनेवाले पक्षियों के होते हैं।

और ये पंजे शिकार पकड़ने के लिए

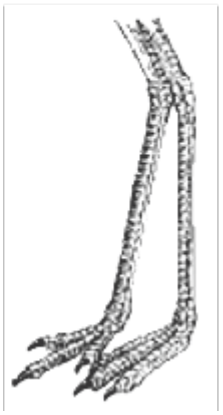

और ये पंजे ज़मीन पर चलने के लिए।

4. पक्षियों के पंजों की बनावट में अन्तर क्यों होता है?

_____

_____

_____

_____

5. यहाँ हम कुछ पक्षियों के चित्र दे रहे हैं। उनके चोंच और पंजे ध्यान से देखिए। बताइए कि वे क्या खाते होंगे और कहाँ–कहाँ रहते होंगे?

6. अपने आस–पास दिखनेवाली पाँच चिड़ियों को ध्यान से देखिए और नीचे बनी सारणी भरिए।

क्र.स.	पक्षी का नाम	रंग	चोंच	पंजे	क्या खाते हैं ?
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

7. पहेली समझ कर पक्षी का नाम लिखिए तथा चित्रों के साथ मिलान कीजिए।

चित्र	पहेली
	सुंदर–सुंदर कलगी मेरी, खींचती है सबका ध्यान, चोंच मेरी ताकतवर है, पेड़ छेदना मेरा काम। मैं हूँ : .....
	लम्बी टाँगों पर खड़ी रहती हूँ इधर–उधर देखती रहती हूँ, छूरी जैसी चोंच है मेरी मार लेती हूँ मेंढ़क–मछली। मैं हूँ : .....
	सबसे पहले मैं ही जागता दूसरों को फिर मैं जगता, सुबह से जब तक हो शाम दाना चुगना मेरा काम। मैं हूँ : .....